सरेंडर किसी के साथ अन्याय नही होने देंगे लेकिन कानून व्यवस्था में हस्तक्षेप करने वालों को सरकार छोड़ेगी नहीं : मुख्यमंत्री डॉ . यादव

बालाघाट में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नवभारत, बालाघाट। सरकार नक्सलियों को हिंसा का रास्ता छोड़ने का अवसर दे रही है, वे आगे आएँ और पुनर्वास योजना के तहत मुख्यधारा से जुड़कर अपने जीवन को बेहतर दिशा दें। जो भी व्यक्ति हिंसा छोड़कर समर्पण करेगा, उसे सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा और पुनर्वास का पूरा अवसर दिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य हर उस व्यक्ति को सुरक्षित भविष्य देना है जो विकास और शांति की राह पर चलना चाहता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट पुलिस लाईन परिसर में आयोजित पुनर्वास से पुर्नजीवन कार्यक्रम में कान्हा भोरमदेव जंगल क्षेत्र में सक्रिय 10 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने पर कहीं ।

उल्लेखनीय है कि इन नक्सलियों पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र सरकार द्वारा 2 करोड़ 36 लाख का ईनाम रखा गया था। इन नक्सलियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष अपने हथियार देकर आत्मसमर्पण किया। इसके बाद सभी नक ?सलियों को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय संविधान की प्रति देते हुए शांतिपूर्ण जीवन जीने, समाज में लौटने और संविधान के मार्ग को अपनाने की बात कही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा आज बालाघाट की धरती पर एक ऐतिहासिक पल देखने को मिला है। हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में लौटना साहस और संकल्प का प्रतीक है। प्रदेश सरकार हर उस व्यक्ति का स्वागत करती है जो हथियार छोड़कर विकास और शांति का मार्ग चुनता है। नक्सलवाद एक बाधा नहीं, बल्कि चुनौती है, और हम सभी मिलकर इसे समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने सुरक्षा बलों की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि पुलिस, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को बधाई देता हूँ, जिन्होंने संयम, धैर्य और रणनीति के साथ काम करते हुए प्रदेश को नक्सल-मुक्त दिशा में आगे बढ़ाया द्य

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मध्यप्रदेश पुलिस के साहस, पराक्रम से प्रदेश में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत पुनर्वास और समर्पण नीति का असर लगातार दिखाई देने लगा है। हाल ही में मलाजखंड दलम की सुनीता ने हथियार त्यागकर शांति और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया था, जिसके बाद अब यह क्रम और तेज हो गया है।आज भी दस सदस्यीय नक्सली दल ने भी हथियार डालकर सरकार की पुनर्वास योजना के अंतर्गत आत्मसमर्पण का निर्णय लिया द्य

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं को राष्ट्रवाद, विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए एकल सुविधा केंद्र के माध्यम से रोजगार व कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पहल युवाओं को हिंसा छोड़कर विकास की धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। दूरस्थ वनांचलों में सुरक्षा बलों की पहुँच बढ़ाने के लिए नवीन अस्थायी कैंप स्थापित किए गए, जिनसे नक्सल गतिविधियों पर बड़ा अंकुश लगा है। विशेष रूप से हॉक फोर्स, पुलिस बल, कोबरा बटालियन, सीआरपीएफ ने कई संवेदनशील क्षेत्रों में सक्रिय होकर नक्सली नेटवर्क को कमजोर किया। नक्सल विरोधी अभियानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और जवानों को सरकार द्वारा आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया जा रहा है। यह कदम सुरक्षा बलों के मनोबल को और मजबूत कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा इंस्पेक्टर शहीद आशीष शर्मा का बलिदान आज सार्थक हो गया है। नक्सल उन्मूलन के लिए उनका दिया गया बलिदान कर्तव्य के प्रति परम समर्पण को दर्शाता है।

मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने इस अवसर पर बताया कि देश में आजादी के बाद सबसे बडी अंतरिक समस्या नक्सलवाद थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रदेश में हाक फोर्स के बल में वृद्धि की गई। एंटी नक्सल अभियान के अंतर्गत नक्सल क्षेत्र में नये कैंप लगाये गये और इस अभियान को गति प्रदान की गई। 64 पुलिस अधिकारियों को आऊट आफ टर्न प्रमोशन दिया गया।

नक्सलियों को आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा में जुड़ने का अवसर दिया गया। नक्सल मुडभेड़ में शहीद जवान आशीष शर्मा के परिवार को 01 करोड़ रुपये की राशि दी गई है और उसके भाई को डीएसपी बनाया गया है। जिसके फलस्वरूप कान्हा-भोरमदेव डिविजन के 10 नक्सलियों ने आज आत्मसमर्पण किया है।

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने इस अवसर पर बालाघाट जिले में नक्सल उन्मूलन के लिए चलाये गये अभियान की जानकारी दी और बताया कि बालाघाट जिले में वर्ष 1980 से यह लड़ाई शुरू हुई थी। नक्सल उन्मूलन अभियान के अंतर्गत जिले में नवाचार किये गये। एकल सुविधा केन्द्र खोले गये और नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया। हाकफोर्स, सीआरपीएफ एवं जिला पुलिस बल के दबाव के कारण पिछले दो माह में 02 करोड़ 81 हजार 500 रुपये के ईनामी 11 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है। सरकार ने जनवरी 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे का लक्ष्य रखा है, लेकिन बालाघाट जिले में इस लक्ष्य को समय सीमा से पहले हासिल कर लिया गया है।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा एवं परिवहन व जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह, कटंगी विधायक गौरव पारधी, वारासिवनी विधायक विवेक पटेल, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, आईजी बालाघाट संजय कुमार सिंह, आईजी सीआरपीएफ नीतू सिंह, कलेक्टर मृणाल मीना सहित पुलिस विभाग का अमला मौजूद था।

इन नक्सलियों ने किया आत्म समर्पण

पुनर्वास से पुनर्जीवन के तहत नक्सलियों ने हथियार छोड़कर शांति और विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लिया है जिसमे लाल सिंह मरावी, विक्रम उर्फ हिडमा, समर उर्फ समरू, शिल्पा, जयशीला, सलिता उर्फ सविता, नवीन उर्फ हिडमा, जरीमा, राकेश होड़ी, सुरेंद्र उर्फ कबीर है। इन सभी पर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सरकारों द्वारा कुल 2 करोड़ 36 लाख रुपये का ईनाम घोषित था।

बाल विवाह रोकने मिशन शक्ति अंतर्गत की गई कैरियर काउंसलिंग

नवभारत, बालाघाट। मिशन शक्ति अन्तर्गत 07 दिसम्बर को कस्तुरबा गांधी बालिका छात्रावास बैहर में कैरियर काउंसलिंग कर मिशन शक्ति व बाल विवाह रोकने के उपाय आदि की विस्तृत जानकारी बच्चों को दी गई। किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य श्रीमति माधुरी पटले, एसआई दीपिका सिंगौर व प्रीती हरिनखेडे वन स्टाप सेंटर द्वारा बताया गया कि ज़रूरतमंद बच्चों (जो उपेक्षित, दुर्व्यवहार के शिकार हैं या बेसहारा हैं) को सुरक्षित आश्रय और देखभाल प्रदान करना, जैसा कि Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 से संबंधित एक दस्तावेज़ में वर्णित है।

पुनर्वास और सशक्तिकरण बच्चों के कौशल विकास, शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना ताकि वे समाज में अपनी पहचान बना सकें और अपराध से दूर रह सकें.कानूनी प्रक्रिया में भिन्नता: बच्चों को वयस्कों से अलग, उनके अनुरूप प्रक्रिया के माध्यम से न्याय देना, जिसमें उन्हें दंडित करने के बजाय सुधार के अवसर दिए जाते हैं.सामाजिक पुन: एकीकरण: बच्चों को सफलतापूर्वक उनके परिवारों या समुदाय में वापस लाने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करना, ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें। मामलों का निपटारा किशोर न्याय बोर्ड (Juvenile Justice Board) और बाल कल्याण समितियों (Child Welfare Committees) के माध्यम से बच्चों से जुड़े मामलों की सुनवाई करना, चाहे वे अपराधी हों या देखभाल के ज़रूरतमंद हों.दोषियों के लिए दंड (अंतिम उपाय): गंभीर मामलों में, सजाएँ दी जाती हैं, लेकिन वे वयस्कों के लिए तय की गई है वन स्टॉप सेंटर (OSC) योजना भारत सरकार की एक पहल है, जिसे 'सखी' के नाम से भी जाना जाता है, जिसका उद्देश्य निजी और सार्वजनिक स्थानों पर हिंसा से प्रभावित सभी महिलाओं को एक ही छत के नीचे एकीकृत सहायता और सहयोग प्रदान करना है, जिसमें अस्थायी आश्रय, चिकित्सा सहायता, कानूनी मदद और मनोवैज्ञानिक परामर्श शामिल हैं, ताकि वे सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सकें।

खरपड़िया नाला बना रेत चोरों का अड्डा

पुलिस और खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

नवभारत कटंगी 7 दिसंबर। तिरोडी तहसील के अन्तर्गत आने वाले राजस्व और वन विभाग के अन्तर्गत आने वाले खरपड़िया नाले में रेत माफिया सक्रिय होकर लम्बे समय से रेत निकाल कर तिरोडी में रेत बेचने का व्यापार कर रहे है।

इसकी जानकारी ग्रामवासियों द्वारा समय-समय पर दोनों विभाग के अधिकारियों सहित तिरोडी थाने में भी दी जाती रही है किंतु किसी भी विभाग ने कार्यवाही करना उचित नहीं समझा, जिससे ग्रामीणों ने अब स्वयं ही नाले में पहुंच कर पहले तो ट्रैक्टर चालक को समझाइश दी, किंतु समझाइश के

उपरांत भी जब कोई असर नही हुआ तो रविवार को सुबह ग्राम पंचायत पंच रतन बोरकर के साथ रामसिंह उईके, विक्की पुष्पतोड़े, अशोक सलामे, महेश उईके, रामप्रसाद मर्सकोले, नसीम खान, रतन बोरकर सहित ग्राम के लगभग 50 नागरिकों ने नाले के पास पहुंच कर रेत से भरे ट्रैक्टर को रोक कर तिरोडी पुलिस को सूचना दी, किन्तु तिरोडी पुलिस मौका स्थल पर नहीं पहुंची, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है।

ग्रामीणों ने की जांच की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि यह सब गोरखधंधा पुलिस की मिलीभगत से ही किया जा रहा है। इसलिए लम्बे समय से रेत माफिया नदी-नालों से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर शासकीय संपति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बहरहाल ग्रामीणों द्वारा नाले में पहुंच कर रेत से भरे ट्रैक्टर की रेत खाली कर भगा दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार खरपड़िया नाले से हजारों ट्रैक्टर रेत चोरी की जा चुकी है, जिससे नाले मे अनेक जगहों पर गड्ढे बन गए हैं। ग्रामीणों ने खनिज विभाग और वन विभाग के अधिकारियों से खरपड़िया नाले मे हुये अवैध रेत खनन की जांच कर दण्डातमक कार्यवाही की मांग की है।

पीजी कॉलेज बालाघाट में एड्स जागरूकता सप्ताह का समापन

नवभारत, बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन 01 दिसंबर से क्रियान्वित एड्स जागरूकता सप्ताह का शनिवार 06 दिसंबर को समापन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर तथा नुक्कड़ नाटक आदि के द्वारा जन जागरूकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर जिला चिकित्सालय से एआरटी मेडिकल ऑफिसर डॉ मीनल नगपुरे, एड्स नोडल अधिकारी डॉ सुषमा गोयल, डीएसआरसी काउंसलर नूतन बोरकर, आईसीटीसी से सीमा मिर्जा तथा लैब टेक्नीशियन डिंपी पंचेश्वर ने विद्यार्थियों को एड्स के लक्षण तथा इससे बचाव के उपचार आदि के बारे में जानकारी प्रदान की तथा समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने का आह्वान किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन तथा नुक्कड़ नाटक के द्वारा सप्ताह भर के कार्यक्रम में अपनी सहभागिता करने पर विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में रेड रिबन प्रभारी डॉ शाजिया तबस्सुम, डॉ पुष्पलता कमलेशिया, एनएसएस प्रभारी बालिका इकाई डॉ रचना कोरी, एनएसएस प्रभारी बालक इकाई सुखचंद ऐडे तथा एनसीसी प्रभारी डॉ. गजानन कटरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस पर अनुशासन और सेवा भाव का शानदार प्रदर्शन

नवभारत, बालाघाट। 63वाँ होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस समारोह आज होमगार्ड लाइन (आकाशवाणी के सामने) बालाघाट में गरिमामय एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर एवं विशिष्ट अतिथि अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे थे। दोनों अतिथियों का स्वागत डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट श्रीमती रजनी खटीक द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

प्रात: 10:30 बजे मुख्य अतिथि को परेड द्वारा सलामी दी गई, तत्पश्चात उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। परेड में प्लाटून कमाण्डर श्री श्याम सिंह धुर्वे एवं टू.आई.सी. श्री महेश कुमार उइके ने नेतृत्व करते हुए उत्कृष्ट समन्वय प्रस्तुत किया। दो प्लाटून होमगार्ड जवानों तथा दो टुकड़ियों सिविल डिफेंस वालेंटियर्स ने प्रभावी मार्च-पास्ट कर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। पुलिस/एस.ए.एफ. एवं होमगार्ड की संयुक्त बैंड पार्टी ने आकर्षक धुनों से माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट श्रीमती रजनी खटीक द्वारा गृह मंत्री माननीय अमित शाह तथा गृह सचिव माननीय गोविंद मोहन के संदेशों का वाचन किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती ठाकुर ने सभी जवानों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए आपदा, बाढ़ एवं रेस्क्यू कार्यों में होमगार्ड की सतत् सेवाओं की सराहना की।

कार्यक्रम में होमगार्ड परिवार के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। मुख्य अतिथि द्वारा नवीन सैनिक बैरक का शुभारंभ भी किया गया। एस.डी.ई.आर.एफ. टीम ने आपदा प्रबंधन से संबंधित आधुनिक उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई तथा विभिन्न तकनीकों का लाइव डिमॉन्स्ट्रेशन प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने रुचि के साथ देखा। यह प्रदर्शन आपदा की स्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के महत्व को रेखांकित करता रहा।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने वाले होमगार्ड, एस.डी.ई.आर.एफ. एवं सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंत में स्वल्पाहार वितरण के उपरांत डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट द्वारा आभार व्यक्त करते हुए समारोह का समापन घोषित किया गया।

विधानसभा क्षेत्र को मूलभूत सुविधाओं से सशक्त बनाना प्राथमिकता : भगत

विधायक मधु भगत के प्रयास से परसवाड़ा क्षेत्र को मिली 11 करोड़ की सौगात

नवभारत, परसवाड़ा। परसवाडा विधानसभा क्षेत्र 110 के विधायक मधु भगत ने वर्तमान शीतकालिन सत्र में अपनी सक्रियता को बनाये रखते हुए जहां एक ओर सदन में मंत्रियों से सवाल पूछने की बौछार लगा दी वहीं दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में जनहित से जुडे मुद्दों पर होने वाले विरोध प्रदर्शन में भी अपनी सक्रिय भूमिका को निभाने में कोई कमी नहीं छो डी।

इन सब से अलग क्षेत्र में विकास कार्यो को नई गति प्रदान करने के लिये भी उन्होने राज्य सरकार के माध्यम से विभिन्न स्तर पर नई नई सौगात दिलाने के प्रयास में भी कोई कमी नहीं छोड़ी है। इसी के अंतर्गत क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से अनुपूरक बजट में परसवाडा क्षेत्र की चार महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण को स्वीकृति मिली है जिसकी कुल लागत लगभग 5 करोड रूपये है। ये सड़कें उन दुरस्थ और उपेक्षित अंचलों में प्रस्तावित है जहां लंबे समय से बेहतर सड़क सुविधा की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। प्राप्त स्वीकृति के अनुसार ग्राम लिंगा खरपडिया मार्ग की कुल लंबाई 1.30 किमी होगी जो आसपास के कई गांवों को जोडने वाली महत्वपूर्ण सड़क साबित होगी इसी तरह से कटंगा उड़ दना मार्ग की लंबाई 5 किमी निर्धारित की गई है। जो बडे ग्रामीण भूभाग को यातायात सुविधा उपलब्ध करायेगी। इसके अतिरिक्त रूपझर से बिनाटोला मार्ग की एक किमी सड़क तथा ठाकुरटोला पहुंच मार्ग निर्माण सूची में शामिल है। इन सभी सड़कों की कुल लंबाई लगभग 8.0 किलोमीटर है। जिन पर 4 करोड 86 लाख रूपये का व्यय प्रस्तावित है। उल्लेखनीय है कि इन कार्यो के शीघ्र आरंभ के लिये 1 करोड रूपये की प्रारंभिक राशि भी स्वीकृत कर दी गई है जिससे निर्माण प्रक्रिया जल्दी प्रारंभ होने की उम्मीद है।

इसी तरह से लोनिवि के माध्यम से परसवाडा क्षेत्र के डोंगरबोडी से पांडेवाडा मार्ग में मेहकारी नदी पर पुल निर्माण के लिये 6 करोड 65 लाख की राशि स्वीकृत कराई है जिसमें 1 करोड रूपये कार्य को प्रारंभ करने प्रथम चरण में दिये जायेगें। इस पुल के निर्माण से उपरोक्त क्षेत्र का एक बडा भूभाग को आवागमन में महत्वपूर्ण सुविधा प्राप्त होगी। इसी तरह से क्षेत्र के कुछ और महत्वपूर्ण ग्रामों को जोडने वाले नदी पर पुल निर्माण के भी प्रस्ताव विधायक भगत द्वारा शासन को भेजे गये है जो इन पंक्तियों के लिखे जाने तक प्रक्रिया में है।

इस तरह से इस शीतकालिन सत्र में परसवाडा क्षेत्र को मिले बडी सौगातों में यह 11 करोड की स्वीकृति का स्वागत करते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि जिन मार्गो के निर्माण की अपेक्षा थी अब वह साकार होते दिख रहे है। विधायक भगत के निरंतर प्रयासों से क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने जा रही है जिसका सीधा लाभ किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को मिलेगा। विकास के प्रति निरंतर सक्रियता दिखाने वाले विधायक ने कहा कि उनका लक्ष्य परसवाडा क्षेत्र को मूलभूत सुविधाओं से सशक्त बनाना है और आगे भी वे जनहित के कार्यो के लिये प्रतिबद्ध रहेगें।

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट में वार्षिकोत्सव मनाया गया

वार्षिकोत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने मनमोहा

नवभारत, बालाघाट। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बालाघाट में 6 दिसंबर 2025 को वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह श्री पंकज कुमार, असिस्टेंट कमांडर 123 बटालियन सीआरपीएफ बालाघाट के विशिष्ठ आतिथ्य में एवं श्रीमती फिरोजा खान मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं विद्यालय समिति की सदस्य की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का आरम्भ अतिथियों एवं प्राचार्य द्वारा ज्ञानदायिनी माँ सरस्वती देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने एवं विद्यार्थियों द्वारा सुमधुर स्वर में गुंजित सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें वर्ष भर में विद्यालय द्वारा शैक्षणिक एवं अन्य क्षेत्रों में हासिल की गई उपलब्धियों का विवरण शामिल था। तदोपरांत विद्यार्थियों द्वारा संभागीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें अतिथियों के कर - कमलों से प्रमाण पत्र, मेडल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। साथ ही बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को भी प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इसके पश्चात प्रारंभ हुआ दौर सांस्कृतिक कार्यक्रमो का जिसमें गणेश वंदना, प्रेरणा गीत, स्वागत नृत्य , जंगली जानवर संरक्षण पर आधारित नृत्य, आदिवासी नृत्य, के साथ साथ भारत के अनेक राज्यों के पारंपरिक नृत्य जैसे राजस्थानी नृत्य, बंगाली नृत्य, पंजाबी नृत्य, गुजराती नृत्य, तमिल नृत्य, तेलुगू नृत्य, बिहु नृत्य, और मराठी नृत्य आदि के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को एक मंच पर प्रस्तुत किया गया। जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया ।

जिसमें विद्यालय की सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की प्रतिभागिता रही। इनके अलावा योग प्रदर्शन, हिंदी और अंग्रेजी नाटक तथा ऑर्केस्ट्रा ने भी दर्शकों का मन मोह लिया।

अंत में विशिष्ठ अतिथि द्वारा समारोह को संबोधित किया गया जिसमें उन्होंने सभी कार्यक्रमों की बहुत प्रशंसा की और विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सराहा तथा विद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएं दी।

विद्यालय की ओर से वरिष्ठतम शिक्षक एवं राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता श्री अमर नारायण शुक्ला ने अपने आभार प्रदर्शन में सभी अतिथियों, आगंतुकों, अभिभावको को तथा अथक प्रयत्न एवं सहयोग के लिए सभी बच्चों- शिक्षकों एवं सभी कर्मचारियों को अपेक्षित सहयोग के लिए एवं नगर पालिका बालाघाट, जिला चिकित्सालय बालाघाट,थाना भरवेली, बिजली विभाग को उनके द्वारा दी गई सहायता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन में विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समिति के समस्त सदस्यों एवं शहर के विभिन्न प्रमुख विद्यालयों के प्राचार्यों ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दी।